यूपीईएस में लीगल एजुकेशन पर कॉन्फ्रेंस

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

लीगल इंडस्ट्री के फ्यूचर और वकीलों के लिए नए अवसरों पर हुई चर्चा

dehradun@inext.co.in

DEHRADUN (4 July): यूपीईएस यूनिवर्सिटी ने एडॉप्ट या पेरिस थीम पर एक कॉन्फ्रेंस आयोजित की. वर्ल्ड कैफे प्रारूप में हुए इस इवेंट में लीगल इंडस्ट्री के फ्यूचर और वकीलों के लिए नए अवसरों पर चर्चा हुई. लीडिंग एक्सपर्ट्स, प्रैक्टिशनर्स, टीचर्स और स्टूडेंट्स ने मिलकर टेक्नोलॉजी के इम्पेक्ट और बदलते माहौल में वकीलों के आगे बढ़ने के तरीकों पर बात की. चर्चा में लीगल एजुकेशन का ग्लोबलाइजेशन, इनोवेशन के लिए सहयोगात्मक इकोसिस्टम, डिजिटल दौर में लीगल इंडस्ट्री और एकेडेमिया के बीच अंतर को कम करने और एआई को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया.

कॉन्फ्रेंस में बोलते सबजेक्ट स्पेशलिस्ट्स.

टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

बॉम्बे बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, सीनियर एडवोकेट नितिन ठक्कर ने कहा कि आज के युवा वकील टेक्नोलॉजी का जमकर इस्तेमाल कर रहे हैं और इसे अपने काम का हिस्सा बना रहे हैं. उन्हें इसे सिर्फ एक टूल नहीं, बल्कि अपनी पढ़ाई और प्रैक्टिस का जरूरी हिस्सा मानना चाहिए. टेक्नोलॉजी से वकीलों का काम आसान होता है, खर्च कम होता है और वे ज्यादा महत्वपूर्ण कामों पर ध्यान दे पाते हैं. यूपीईएस स्कूल ऑफ लॉ के डीन, डॉ. अभिषेक सिन्हा ने कहा की आज की तेजी से बदलती तकनीकी दुनिया में, खासकर भावी वकीलों के लिए एआई जैसे टूल्स को अपने काम में शामिल करना जरूरी है. लीगल एजुकेशन को ज्यादा प्रायोगिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं. यूपीईएस स्कूल ऑफ लॉ मॉडर्न टेक्नोलॉजी को शामिल कर के छात्रों को भविष्य के लिए तैयार कर रहा है.